YOUNG INDIA > YOUNG PAPER

NBT
नवभारत टाइम्स

ई दिल्ली > बुधवार, 2 मार्च 2016 > फाल्गुन 12 शक 1937 > फाल्गुन कृष्ण 8 विक्रम 2072 पेज 16 > मूल्य 4.50 रु. या 8.5

स्कूलों के साथ मिलकर बनेगा हेल्दी प्लान

जागरूकता अभियान चलाया जाएगा

Bhupender.Sharma
@timesgroup.com

नई दिल्ली : दिल्ली सरकार के एजुकेशन डिपार्टमेंट ने स्कूलों की कैंटीन में जंक फूड की बिक्री पर रोक लगाने की सलाह देते हुए स्कूलों को लिखा है। एजुकेशन डायरेक्टर पद्मिनी सिंघला का कहना है कि सीबीएसई ने भी कई सर्कुलर जारी किए हैं। इस मसले पर पैरंट्स और स्टूडेंट्स को जागरूक किया जाना जरूरी है। बच्चों के लंच बॉक्स में भी जंक फूड होते हैं। पैरंट्स को भी जंक फूड के खतरों के बारे में बताना होगा। इसके लिए स्कूलों के साथ मीटिंग की जाएगी। एजुकेशन ऑफिसर स्कूलों के अधिकारियों के साथ मीटिंग करेंगे और तय किया जाएगा कि स्कूलों में कैसे जागरूकता अभियान चलाया जाए।

स्टूडेंट्स को जंक फूड के खतरे बताए जाएंगे

सीबीएसई कई सालों से जंक फूड पर बैन को लेकर स्कूलों को लिखता रहा है। अभी भी स्कूलों में जंक फूड बिक रहा है, लेकिन कुछ स्कूलों ने सीबीएसई की गाइडलाइंस के बाद जंक फूड पर बैन लगाया है। ऐसे स्कूलों का कहना है कि कैंटीन में तो जंक फूड नहीं मिलता, लेकिन बच्चों के टिफिन में जंक फूड होता है। पैरंट्स को भी यह समझना होगा कि बच्चों को हेल्दी फूड ही दें।

माउंट आबू पब्लिक स्कूल रोहिणी की प्रिंसिपल ज्योति अरोड़ा का कहना है कि जंक फूड की समस्या को देखते हुए ही उन्होंने अपने स्कूल में कैंटीन शुरू नहीं की है। टीचर्स बच्चों के साथ लंच करती हैं। दस मिनट का फूट ब्रेक भी होता है। स्कूलों में जंक फूड बिल्कुल नहीं मिलना चाहिए। सीबीएसई और एजुकेशन डिपार्टमेंट के आदेश को पॉलो किया जाना चाहिए। वीएसपीके इंटरनैशनल स्कूल रोहिणी के चेयरमैन एस. के. गुप्ता भी कहते हैं कि स्कूल कैंटीन में बच्चों को वही खाना दिया जाना चाहिए, जो उनकी सेहत के लिए अच्छा है। उनके स्कूल में भी यह देखा जाता है कि कैंटीन में बच्चों को हेल्दी फूड मिले। एम. एम. पब्लिक स्कूल पीतमपुरा की प्रिंसिपल रोमा पाठक के मुताबिक दो साल से उनके स्कूल में घर जैसा खाना दिया जाता है। सीबीएसई के अधिकारियों का कहना है कि पैरंट्स की ओर से भी कंप्लेंट मिलती रहती है कि स्कूलों में जंक फूड मिल रहा है।